मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 52
रविवार, 30 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

SCO शिखर सम्मेलन से पहले पीएम मोदी का बड़ा बयानः 'आतंकवाद पूरी तरह हो खत्म'

नई दिल्ली, 29 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान और किर्गिज गणराज्य की दो देशों की यात्रा पर रवाना हुए। वे SCO समिट में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि वे इस संगठन के लिए भारत के विजन को आगे बढ़ाने और आतंकवाद के खतरे से मुक्त क्षेत्र के लिए साथी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

मोदी पहले उज्बेकिस्तान (29-30 अगस्त) जाएंगे और फिर बिश्केक, किर्गिज गणराज्य (30 अगस्त-1 सितंबर) में समिट में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें भरोसा है कि उनकी यह यात्रा मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगी और इस क्षेत्र के साथ सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करेगी। रवाना होने से पहले अपने बयान में मोदी ने कहा कि यह यात्रा शांति, स्थिरता और समृद्धि की साझा कोशिशों को आगे बढ़ाएगी; ये मूल्य दुनिया के साथ भारत के जुड़ाव के केंद्र में हैं। उन्होंने कहा, भारत 2017 से SCO का एक सक्रिय और रचनात्मक सदस्य रहा है। मैं सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर पर आधारित इस क्षेत्र के लिए भारत के विजन को आगे बढ़ाने और आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के खतरे से मुक्त क्षेत्र के लिए साथी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हूं। ये खतरे हमारे पड़ोस और उससे आगे शांति और स्थिरता के लिए खतरा बने हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के

निमंत्रण पर वे 29-30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राजकीय यात्रा के लिए ताशकंद जाएंगे। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, ₹मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने तथा 'विकसित भारत' और 'यांगी उज्बेकिस्तान' (नया उज्बेकिस्तान) के हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। मोदी ने कहा कि वे ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में शास्त्री मेमोरियल और महात्मा गांधी सेंटर भी जाएंगे। यह हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले करीबी सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ताशकंद से किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर झापारोव के निमंत्रण पर बिश्केक जाएंगे। वहां वे 26वें रउड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जो इस अहम संगठन के 25 साल पूरे होने का मौका है। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति झापारोव और SCO के दूसरे नेताओं से मिलने और छठे वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का भी बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह मध्य एशिया की समृद्ध जीवित विरासत का जश्न है, जिसका भारत बहुत सम्मान करता है। अधिकारियों ने बताया कि मोदी SCO शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें वे सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसरों के मामले में भारत की प्राथमिकताओं पर जोर देंगे।

खरगे की रैली के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण पर सियासी घमासान, राहुल गांधी बोले- यह छूआछूत का कानूनी अपराध

नई दिल्ली, 29 अगस्त। संसद में मामला उठाए जाने के बाद भी हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली स्थल का कथित शुद्धिकरण करने की घटना के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होने का मुद्दा अब सियासी विवाद बढ़ता दिख रहा है।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को खरगे की रैली के बाद भाजपा-आरएसएस के कार्यकर्ताओं द्वारा मंच का शुद्धिकरण किए जाने को छुआछूत और एससी-एसटी एक्ट के तहत दंडनीय अपराध करार देते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

नेता विपक्ष ने उत्तराखंड भाजपा के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के

शुद्धिकरण को सही ठहराने पर आक्रोश जताते हुए कहा कि शुद्धिकरण कुछ और नहीं छुआछूत है और भाजपा-आरएसएस की यह सोच साफ दिख रही है कि वे नहीं चाहते कि दलित तरक्की करें, सम्मान के साथ जिएं।

कांग्रेस नेता ने भाजपा को यह चेतावनी भी दी कि एफआइआर दर्ज नहीं किया गया तो उनकी पार्टी इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने की लड़ाई लड़ेगी। राहुल गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में विशेष प्रेस कांफ्रेंस में घटना के 20 दिन बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दलित विरोधी विचारधारा साफ दिखाई दे रही है। यह केवल कांग्रेस अध्यक्ष का अपमान नहीं, बल्कि देश के हर दलित के सम्मान से जुड़ा मामला है और भाजपा-आरएसएस की दलित-विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी उन्हें बचकर निकलने नहीं देगी और खरगे के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी। राहुल गांधी ने संविधान और मनुस्मृति की प्रतियां दिखाते हुए कहा कि आज देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है।

कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी, ममता बनर्जी के खिलाफ मामला दर्ज

कोलकाता, 29 अगस्त। कोलकाता पुलिस ने तृणमूल छात्र परिषद (TMCP) के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन में बनर्जी और तृणमूल छात्र परिषद (TMCP) की बैठक के आयोजकों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन के लिए FIR दर्ज की गई है। जांच के दौरान उल्लंघन में शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) नेताओं अभिषेक बनर्जी, डेरेक ओ'ब्रायन और अन्य

लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इन पर आरोप है कि कोलकाता के कामाक स्ट्रीट पर पार्टी के 'अनधिकृत' (बिना इजाजत लगाए गए) बिलबोर्ड के खिलाफ कार्रवाई के दौरान इन्होंने कर्मचारियों के साथ मारपीट की और उनके काम में बाधा डाली। यह FIR शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। कोलकाता नगर निगम (KMC) की एक टीम पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को 9, कामाक स्ट्रीट से एक अनधिकृत होर्डिंग हटाने पहुंची थी। नगर निकाय ने पुलिस से होर्डिंग हटाने में मदद मांगी थी, जिस पर TMC का साइन लगा हुआ था। हालांकि, टीम के पहुंचने पर बनर्जी, ओ'ब्रायन, बैसनोर चट्टोपाध्याय और अन्य सहित कई TMC नेताओं ने एक 'गैर-कानूनी भीड़' (unlawful assembly) बनाई और पुलिसकर्मियों तथा KMC अधिकारियों के साथ हाथापाई की, जिससे वे अपना काम नहीं कर पाए।

पुलिस ने बताया कि TMC नेताओं के खिलाफ शेक्सपियर सरणी में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं 191(2), 191(3), 190, 121(1), 74, 3(5) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया।

डिग्री देने वाली शिक्षा अधूरी, चरित्र निर्माण भी जरूरीः राजनाथ सिंह

लखनऊ, 29 अगस्त। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने शनिवार को दार्शनिक अंदाज में कहा कि यदि मन बड़ा नहीं है और दूसरों को देखकर ईर्ष्या होती है, तो यह मान लेना चाहिए कि आप पर ईश्वर की कृपा नहीं है। सिंह ने कहा," जब उपलब्धियां मूल्यों पर आधारित होती हैं तभी जीवन सार्थक होता है। जब शिक्षा केवल डिग्री दे लेकिन उससे चरित्र का विकास न हो तो ऐसी शिक्षा का कोई मूल्य नहीं है, वह अधूरी है। उन्होंने यहां बाबा साहब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में कहा,"पवित्र मन उसी का होता है, जिसका मन बड़ा होता है। छोटे मन का व्यक्ति कभी पवित्र मन का नहीं हो सकता।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "छोटे मन से कोई बड़ा नहीं

होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। सिंह ने एक विदेशी अखबार द्वारा पूर्व में भारत को लेकर व्यंग्य में कार्टून बनाने का जिक्र करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की सफलता और "अंतरिक्ष क्षमता" देखकर हैरान है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह परिवर्तन किसी चमत्कार से नहीं है बल्कि आप जैसे नौजवानों, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की मेहनत, उनकी लगन से आया है। उन्होंने कहा कि सफलता की यात्रा अक्सर चार पड़ावों से होकर गुजरती है-पहले लोग आपको नजर अंदाज करते हैं, फिर आप पर हंसते हैं, फिर वह आपका विरोध करते हैं और अंत में वही लोग आपकी सफलता की तारीफ करते हैं।सिंह ने कहा,"आपको भी ऐसे लोग मिलेंगे जो आपकी उपेक्षा करेंगे, आपका मजाक उड़ाएंगे और कहेंगे कि यह कैसे कर सकता है, आपके रास्ते में बाधाएं खड़ी करेंगे लेकिन आपको रुकना नहीं है, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है।" रक्षा मंत्री ने कहा, "मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपको सफल होने से दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती है। पिछले 12 वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता एवं सुलभता बढ़ी है। शिक्षा के क्षेत्र में बदलावों और अच्छी योजनाओं का परिणाम है कि आज देश के नौजवान भौतिकी, गणति, जीवविज्ञान के ओलंपियाड में मेडल जीत रहे हैं, स्टार्टअप खड़ी कर रहे हैं, हाइड्रोजन ट्रेन, ड्रोन और कंपनियां बना रहे हैं।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा तीसरा स्टार्टअप पारितंत्र बन चुका है। सिंह ने यह भी कहा, "आर्थिक शक्ति किसी राष्ट्र को समृद्ध बनाती है लेकिन सांस्कृतिक आत्मविश्वास हमें महान बनाता है। हमारे सांस्कृतिक मूल्यों का ही परिणाम है कि हमारे देश ने वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया।" रक्षा मंत्री ने दावा किया, "पहले भारत बोलता था तो दुनिया सुनती नहीं थी, लेकिन आज भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है।" विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा , "जिंदगी का सफर लंबा है और इसे साधना की तरह लेना चाहिए। मन जितना बड़ा होगा, सुख और आनंद की प्राप्ति उतनी ही अधिक होगी।" बाबा साहब का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, "डॉ. आंबेडकर को उस नल से पानी नहीं पीने दिया जाता था, जिससे सभी बच्चे पानी पीते थे। इतना अन्याय सहने के बाद भी उन्होंने भाग्य को कोसने या हिंसा का रास्ता चुनने के बजाय शिक्षा का मार्ग चुना और भारत आकर लोगों में बदलाव की इच्छा जगाई।" रक्षा मंत्री ने कहा कि कोई न कोई 'सुपर पावर' है जो पूरे ब्रह्मांड को निर्देशित कर रहा है तथा संतों की कही बातों को आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है।

पेट्रोल में कितना एथनॉल? पंपों पर जानकारी अनिवार्य करने की मांग पर सोमवार को 'सुप्रीम' सुनवाई

नई दिल्ली। पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा की दिशा में उठाए जा रहे कदम अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इसके साथ ही देश के आम वाहन चालकों और कार मालिकों के अधिकारों व हितों की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। देश में पेट्रोल के साथ एथनॉल के बढ़ते मिश्रण (विशेषकर ई20) को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। यह मामला सिर्फ ईंधन से जुड़ा नहीं है, बल्कि हर उस नागरिक की जिज्ञासा और सुरक्षा का है जो अपनी मेहनत की कमाई से वाहन खरीदता है और सड़क पर उतरता है।

नरेन्द्र कुमार गोस्वामी द्वारा दायर याचिका पर सोमवार (31 अगस्त) को सुप्रीम कोर्ट की पीठ - जिसमें जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले शामिल हैं - सुनवाई करेगी।

किसी ने हजारों रन बनाए, किसी ने लिए सैकड़ों विकेट, फिर भी टीम से दूर ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, 29 अगस्त। भारतीय क्रिकेट में घरेलू क्रिकेट को राष्ट्रीय टीम में चयन की सबसे अहम सीढ़ियों में से एक माना जाता है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में लंबे फॉर्मेट के प्रदर्शन को काफी महत्व दिया जाता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भी इंटरनेशनल क्रिकेटर्स को खाली समय में घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह देता रहा

है। इसी वजह से ईशान किशन और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलने को लेकर सख्त कदम भी उठाए जा चुके हैं।हालांकि, घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले कई ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक इंटरनेशनल स्तर पर खुद को साबित करने का पर्याप्त मौका नहीं मिला है। इनमें कुछ खिलाड़ी तो वर्षों से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में रन और विकेटों का अंबार लगा रहे हैं। आइए नजर डालते हैं ऐसे ही पांच खिलाड़ियों पर, जिनका घरेलू क्रिकेट का रिकॉर्ड उन्हें कम से कम टेस्ट टीम में मौका दिए जाने की मजबूत दावेदारी पेश करता है।**अभिमन्यु ईश्वरनः** अभिमन्यु ईश्वरन उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिनका नाम पिछले कई वर्षों से भारतीय टेस्ट टीम के आसपास नजर आता रहा है। बंगाल के इस सलामी बल्लेबाज ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। वह 114 फर्स्ट-क्लास मुकाबलों में करीब 47 की औसत से 8396 रन बना चुके हैं। उनके नाम 27 शतक और 36 अर्धशतक भी दर्ज हैं। ईश्वरन का फर्स्ट-क्लास डेब्यू 2013 में हुआ था और इसके बाद से वह लगातार घरेलू क्रिकेट में अपनी उपयोगिता साबित करते रहे हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

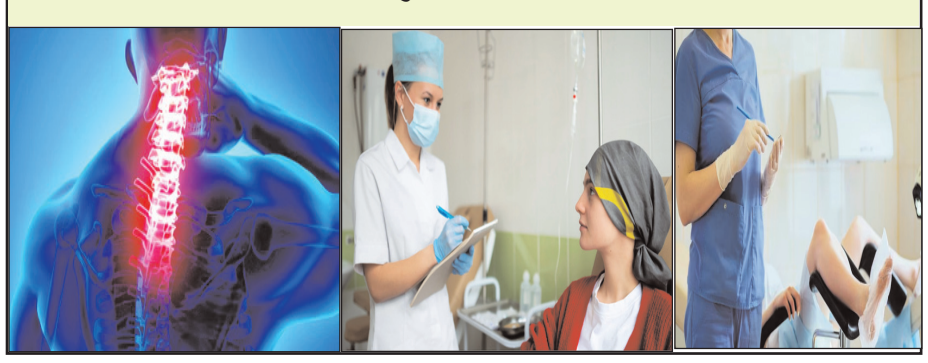

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

-ललित गर्ग

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली ह्यबहु-आपदाह्ल का उदाहरण है।

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से

पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए।

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता ह्यआपदा के बाद राहतह्ल से आगे बढ़कर ह्यआपदा से पहले तैयारीह्ल की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूवानुर्मान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरूआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग ह्यमाउंटेन सेफ्टी पॉलिसीह्ल पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं।

दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्राः आर्थिक निवेश, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक संघ नेटवर्क का विस्तार

अशोक भाटिया

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है।

इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निमार्ताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी। इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं।

इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' है। रक्षाबंधन के

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई। इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस 'विश्व-मित्र' वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है, जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निमार्ता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है।

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक 'बालगोकुलम' जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा।

सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा। डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है। उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर जोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की, हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है। इसके साथ ही 'हिंदुस फॉर' और 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' जैसे कई मुखर संगठनों ने न्यू यॉर्क सिटी हॉल के बाहर और डिजिटल मंचों पर व्यापक विरोध अभियान चलाए, जिनका यह आरोप था कि संघ का मूल वैचारिक दर्शन भारत के बहुलवादी ढांचे को प्रभावित करता है, और इस तरह के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित मंचों पर संघ प्रमुख को स्थान मिलने से संगठन को वह वैश्विक वैधता और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है जिसके वे विरोधी हैं। इस पूरे विवाद को तब और राजनीतिक हवा मिली जब 'अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग' की पुरानी आलोचनात्मक रिपोर्टों का हवाला देकर विरोधी समूहों ने वीजा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया, जिसे भारत के विदेश मंत्रालय ने हमेशा की तरह पूरी तरह से पूर्वाग्रह से ग्रसित और पक्षपातपूर्ण मानकर खारिज कर दिया। इन तीखे विरोधों, तकनीकी चुनौतियों और सुरक्षा चिंताओं के बावजूद, इस यात्रा की निर्बाध निरंतरता और इसे मिल रहा भारी समर्थन यह अकाट्य रूप से सिद्ध करता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज वैश्विक विमर्श और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में एक ऐसी अपरिहार्य शक्ति बन चुका है, जिसे अब वैश्विक मंचों पर नजरअंदाज कर पाना संभव नहीं है।

भागवत की यह न्यूयॉर्क यात्रा केवल एक पारंपरिक प्रवास नहीं है, बल्कि यह भविष्य के भारत-अमेरिका संबंधों के इतिहास में एक नया वैचारिक और रणनीतिक अध्याय जोड़ने वाली घटना है। जहाँ एक तरफ इस यात्रा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के साथ सीधा संवाद स्थापित करके भारत में भविष्य की उन्नत तकनीकों और सुरक्षित निवेश के लिए विश्वास का एक नया माहौल तैयार किया है, वहीं दूसरी तरफ मैडिसन स्क्वायर गार्डन के मंच से 'वसुधैव कुटुंबकम' के दर्शन की गूंज ने भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को वैश्विक मंच पर एक नई ऊंचाई प्रदान की है। विरोध और समर्थन के इन वैश्विक अंतर्विरोधों के बीच, यह दौरा स्पष्ट रूप से दिखाता है कि आधुनिक भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को पूरा करने और दुनिया के सामने भारत का सकारात्मक पक्ष रखने में अब देश के प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन भी राजनयिक चैनलों के समानांतर एक बेहद प्रभावशाली और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक परिणाम आने वाले समय में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होंगे।

भजन मेरे लिए सिर्फ संगीत नहीं, महादेव से संवाद का माध्यम है : शेखर

-सुरेश गांधी

पहाड़ों की खामोश वादियों से निकली एक आवाज जब काशी की गलियों में हर हर महादेव के साथ गूंजती है तो वह महज संगीत नहीं रहती, आस्था की अनुभूति बन जाती है। उत्तराखंड के शेखर जायसवाल की गायकी में शिव के प्रति समर्पण भी है और बदलते दौर के संगीत की धड़कन भी। मुझको नंदी बना ले जैसे भजनों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले शेखर के लिए भजन मंच पर गाया जाने वाला गीत भर नहीं, बल्कि अपने आराध्य से संवाद का माध्यम है। देवभूमि की लोक-संवेदना से लेकर डिजिटल दौर के युवा श्रोताओं तक पहुंची उनकी आवाज यह सवाल भी छोड़ती है कि आखिर आज की पीढ़ी, जो तेज रफ्तार जिंदगी में सांस ले रही है, वह भक्ति के सुरों में सुकून क्यों तलाश रही है? काशी में हुई मुलाकात में शेखर ने अपनी संगीत यात्रा, महादेव से जुड़ाव, युवाओं की बदलती पसंद और भविष्य के सपनों पर खुलकर बात की

देवभूमि उत्तराखंड की मिट्टी में भक्ति सहज रूप से सांस लेती है। पहाड़ों की इसी आध्यात्मिक फिजा से निकले शेखर जायसवाल ने शिव भक्ति को अपनी गायकी का केंद्र बनाया और अपने अलग अंदाज से भजन-संगीत में पहचान बनाई। मुझको नंदी बना ले, ह्यशिव कैलाशों के वासी, मैं भोला पर्वत का और ह्यभोले के दर जैसे भजनों के जरिए उनकी आवाज शिवभक्तों तक पहुंची है। काशी में सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से हुई आत्मीय मुलाकात में गायकी, महादेव और भक्ति को लेकर उनसे हुई बातचीत में उन्होंने कहा भजन मेरे लिए सिर्फ संगीत नहीं, महादेव से संवाद का माध्यम है. प्रस्तुत है उनसे हुई बातचीत के कुछ प्रमुख अंश : -

सवाल : उत्तराखंड की धरती से भजन गायकी तक का सफर कैसे शुरू हुआ?

शेखर जायसवाल : मेरे लिए यह सफर अचानक शुरू नहीं हुआ। बचपन से ही वातावरण में भक्ति रही। उत्तराखंड की संस्कृति में देवत्व जीवन का हिस्सा है। मंदिर, जागर, लोकधुनें और भगवान के प्रति आस्था—इन सबने भीतर कहीं संगीत का बीज बो दिया। धीरे-धीरे समझ आया कि मेरी भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे अच्छा माध्यम संगीत है। फिर भजन मेरी साधना और पहचान दोनों बनते चले गए।

सवाल : आपकी गायकी में भगवान शिव का प्रभाव इतना अधिक क्यों दिखाई देता है?

शेखर जायसवाल : शिव मेरे लिए सिर्फ आराध्य नहीं हैं, वह जीवन को समझने का एक तरीका भी हैं। शिव जितने विराट हैं, उतने ही सरल भी। उन्हें पाने के लिए बड़े-बड़े आडंबर की जरूरत नहीं। एक लोटा जल और सच्चे मन की भावना ही काफी है। शायद यही सहजता मुझे शिव के और करीब खींचती है।

सवाल : ह्यमुझको नंदी बना लेह्ल जैसा भाव आपके मन में कैसे आया?

शेखर जायसवाल : भक्त की सबसे बड़ी इच्छा अपने भगवान के करीब रहने की होती है। नंदी भगवान शिव के सबसे निकट हैं। मैंने इसी भावना को शब्द और स्वर देने की कोशिश की। इसमें मेरी अपनी कोई बड़ी कल्पना नहीं, बल्कि एक भक्त की छोटी-सी इच्छा है कि महादेव के चरणों के पास हमेशा जगह मिलती रहे।

सवाल : भजन और सामान्य गीत में आप क्या अंतर महसूस करते हैं?

शेखर जायसवाल : गीत सुनने के बाद मन प्रसन्न हो सकता है, लेकिन भजन मन को भीतर तक छूता है। भजन गाते समय गायक अकेला नहीं होता, उसके साथ उसकी आस्था भी गाती है। जब शब्दों में भावना और सुरों में समर्पण आ जाता है तो भजन केवल प्रस्तुति नहीं रहता, वह साधना बन जाता है।

सवाल : आज भजन भी सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों तक पहुंच रहा है। इसे आप किस तरह देखते हैं?

शेखर जायसवाल : यह बहुत बड़ा बदलाव है। पहले किसी भजन को लोगों तक पहुंचाने के लिए मंच और कार्यक्रम जरूरी होते थे। आज मोबाइल के जरिए एक भजन दुनिया के किसी भी कोने तक पहुंच सकता है। यह कलाकारों के लिए बहुत बड़ा अवसर है। लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी है कि लोकप्रियता की दौड़ में भक्ति की आत्मा कहीं पीछे न छूट जाए।

सवाल : आपकी नजर में भजन गायक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी क्या है?

शेखर जायसवाल : मेरी नजर में सबसे बड़ी जिम्मेदारी भावनाओं की पवित्रता बनाए रखना है। भजन सुनने वाला व्यक्ति सिर्फ संगीत नहीं सुनता, वह उसमें भगवान को महसूस करने की कोशिश करता है। इसलिए शब्दों, संगीत और प्रस्तुति—तीनों में मयार्दा और श्रद्धा जरूरी है।

सवाल : उत्तराखंड के बाद काशी से आपका रिश्ता किस तरह बनता है?

शेखर जायसवाल : उत्तराखंड देवभूमि है और काशी स्वयं महादेव की नगरी। मेरे लिए काशी आना किसी सामान्य शहर में आना नहीं है। यहां आते ही मन का भाव बदल जाता है। गंगा, बाबा विश्वनाथ, मंदिरों की घंटियां और गलियों में बसी शिवभक्ति—यह सब अपने आप भीतर एक अलग ऊर्जा पैदा करता है।

सवाल : काशी में प्रस्तुति देना आपके लिए कितना विशेष है?

शेखर जायसवाल : काशी में शिव का नाम गाना अपने आप में सौभाग्य है। यहां श्रोता सिर्फ संगीत नहीं सुनते, वे भाव को समझते हैं। बाबा की नगरी में भोले का भजन गाते समय कलाकार के भीतर भी एक अलग तरह की अनुभूति होती है। ऐसा लगता है जैसे सामने श्रोता नहीं, स्वयं महादेव बैठे हों।

सवाल : आपकी गायकी में पहाड़ की लोक-संवेदना कितनी मौजूद है?

शेखर जायसवाल : बहुत गहराई से। पहाड़ ने मुझे सादगी दी है। वहां प्रकृति और अध्यात्म अलग-अलग चीजें नहीं हैं। मंदिर की घंटी, नदी की आवाज, पहाड़ी लोकधुनें—इन सबका असर मन पर रहता है। मैं कोशिश करता हूं कि आधुनिक संगीत के साथ अपनी उस मिट्टी की खुशबू भी बची रहे।

सवाल : भजन गायकी का ख्याल आपके मन में कब और कैसे आया?

शेखर जायसवाल : मेरे लिए भक्ति कोई अलग विषय नहीं रही। जिस माहौल में पला-बढ़ा, वहां देवी-देवताओं और लोक आस्था का जीवन से गहरा रिश्ता रहा। धीरे-धीरे संगीत के प्रति रुचि बढ़ी और लगा कि अपनी भावनाओं को सबसे बेहतर तरीके से भजन के माध्यम से व्यक्त कर सकता हूं। खासकर महादेव की ओर मन लगातार खिंचता चला गया। फिर यही रास्ता मेरी पहचान बन गया।

सवाल : आने वाले समय में शेखर जायसवाल को किस रूप में देखना चाहेंगे?

शेखर जायसवाल : मेरी कोशिश यही है कि भक्ति संगीत के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचूं। अगर मेरी आवाज सुनकर किसी व्यक्ति को कुछ पल के लिए भी शांति मिले, उसके मन में महादेव के प्रति श्रद्धा जागे या वह अपने जीवन की परेशानियों के बीच सकारात्मक महसूस करे, तो मेरे लिए उससे बड़ी उपलब्धि कोई नहीं।

सवाल : आपकी अधिकांश रचनाओं के केंद्र में महादेव क्यों हैं?

शेखर जायसवाल : शिव की सबसे बड़ी खूबी मुझे उनकी सहजता लगती है। वे देवों के देव हैं, लेकिन भक्त के लिए भोले हैं। उनके दरबार में कोई भेद नहीं। शायद इसी सरलता ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसलिए जब लिखने या गाने बैठता हूं तो मन बार-बार भोलेनाथ की तरफ चला जाता है।

सवाल : आज का युवा भजन और आध्यात्मिक संगीत में इतनी रुचि क्यों ले रहा है?

शेखर जायसवाल : आज का युवा बहुत तेजी से बदलती दुनिया के बीच जी रहा है। उसके पास सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन मन की शांति की तलाश भी उतनी ही बड़ी है। भक्ति संगीत उसे कुछ क्षण अपने भीतर लौटने का अवसर देता है। यही कारण है कि युवा अब भजन को पुराने दौर की चीज नहीं मानता, बल्कि नए संगीत और नए अंदाज में उसे अपना रहा है।

सवाल : क्या सोशल मीडिया ने भजन को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई?

शेखर जायसवाल : बिल्कुल। पहले भजन सुनने के लिए किसी कार्यक्रम या कैसेट का इंतजार करना पड़ता था। अब मोबाइल पर एक क्लिक में दुनिया के किसी भी कोने में भजन पहुंच सकता है। यह कलाकार के लिए बहुत बड़ा माध्यम है, लेकिन साथ ही जिम्मेदारी भी है कि लोकप्रियता के लिए भक्ति की भावना से समझौता न हो।

सवाल : मंच पर हजारों लोगों के सामने हर हर महादेव गूंजते सुनना कैसा लगता है?

शेखर जायसवाल : जब सामने बैठे लोग आपके साथ भजन गाने लगते हैं तो लगता है कि यह सिर्फ मेरी प्रस्तुति नहीं रही। उस समय गायक और श्रोता के बीच की दूरी खत्म हो जाती है और पूरा माहौल भक्ति में बदल जाता है।

सवाल : शेखर जायसवाल का अगला सपना क्या है?

शेखर जायसवाल : सपना सिर्फ बड़ा कलाकार बनने का नहीं है। चाहता हूं कि मेरे भजन देश के हर उस व्यक्ति तक पहुंचें, जो कठिन समय में भगवान का नाम लेकर अपने मन को संभालता है। आने वाले समय में शिव भक्ति के साथ दूसरे देवी-देवताओं और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा पर भी काम करना चाहता हूं। साथ ही संगीत को नए युवाओं तक नए अंदाज में पहुंचाना मेरी प्राथमिकता है।

सवाल : उत्तराखंड से आने वाले कलाकार के लिए काशी कितनी खास है?

शेखर जायसवाल : उत्तराखंड देवभूमि है और काशी महादेव की नगरी। एक शिवभक्त के लिए इन दोनों जगहों का अपना अलग महत्व है। काशी में आकर बाबा विश्वनाथ की नगरी में भजन गाना मेरे लिए केवल कार्यक्रम नहीं, सौभाग्य है। यहां ह्यभोलेह्ल का नाम लेते हुए लगता है जैसे आवाज सीधे अपने आराध्य तक पहुंच रही हो।

सवाल : अंत में शिवभक्तों के लिए आपका संदेश?

शेखर जायसवाल : महादेव से मांगने से पहले उन्हें महसूस कीजिए। शिव बहुत सरल हैं। मन साफ रखिए, किसी का बुरा मत कीजिए और अपने कर्म ईमानदारी से करते रहिए। भोलेनाथ को पाने के लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं, सच्ची श्रद्धा हो तो शिव अपने आप मन में उतर आते हैं।

शेखर के सुरों में शिवभक्ति के प्रमुख पड़ाव

प्रमुख भजन : मुझको नंदी बना ले... , मेरा हाथ थाम भोले.., शिव कैलाशों के वासी.., क्या मांगू मैं भोले तुमसे.., मैं भोला पर्वत का.., भोले के दर.., दम दम डमरू बाजे.., लागन तुमसे लगा बैठ.., मेरा भोला न माने.., भोले बाबा के संग.., नौकरी पे रख ले बाबा.., मेरे बाबा भोले भंडारी.., शिव पार्वती जैसी हो अपनी भी जोड़ी.., भोले का सावन.., मेरे साथ बाबा खड़ा है.., इनमें मुझको नंदी बना ले उनकी प्रमुख पहचान वाले भजनों में से एक है।

सोशल मीडिया ने बदली भजन की दुनिया

आज भजन केवल मंदिरों और धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसे युवाओं के मोबाइल तक पहुंचा दिया है। शेखर जायसवाल का डिजिटल सफर भी इसकी मिसाल है। उनके Shekhar Jaiswal TV चैनल पर एक करोड़ से अधिक नहीं, बल्कि उपलब्ध हालिया आंकड़े के अनुसार करीब 1.05 मिलियन सब्सक्राइबर और 228 मिलियन से अधिक कुल वीडियो व्यूज दर्ज हैं।

महानगरपालिका में नगरसेवक प्रकाश मोरे के प्रस्ताव मंजूर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में पानी की बढ़ती जरूरत को देखते हुए पवई झील का तकनीकी रूप से पुनर्जीवन कर उसकी जलधारण क्षमता बढ़ाने और आधुनिक जलशुद्धीकरण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव चांदीवली विधानसभा वार्ड क्रमांक 159 के भाजप नगरसेवक प्रकाश मोरे ने रखा था। इसके साथ ही बड़ी हाउसिंग सोसायटियों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य करने तथा इसे सफलतापूर्वक लागू करने वाली सोसायटियों को संपत्ति कर में विशेष छूट देने की मांग भी की गई थी। इन प्रस्तावों को महानगरपालिका में मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा, सड़क और फुटपाथ के कंक्रीटीकरण के दौरान पेड़ों के तनों के चारों ओर कम से कम पांच फीट जगह सीमेंटमुक्त रखने का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया है। इस जगह पर उपजाऊ मिट्टी और जैविक खाद डालकर पेड़ों का संरक्षण करने तथा वृक्ष अधिकारियों के माध्यम से तकनीकी ऑडिट कराने की मांग की गई है। इन उपायों से मुंबई में जलसंकट कम करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और पेड़ों की सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

भिवंडी रोड स्टेशन परिसर में गायत्री परिवार द्वारा किया गया वृक्षारोपण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अखिल विश्व गायत्री परिवार भिवंडी शाखा की ओर से पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत भिवंडी रोड रेलवे स्टेशन परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पीपल, बेल, गूलर सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर भिवंडी के महापौर नारायण चौधरी, स्टेशन मास्टर एस. के. चौबे, रेलवे पुलिस के एएसआई एच. के. यादव, एएसआई अनूप सिंह छायल, गायत्री परिवार के उपजोन समन्वयक उपेंद्र जोशी, सह-समन्वयक नीरज गुप्ता, जिला समन्वयक दिनकर सिंह, व्यवस्थापक पी. डी. यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित करना भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं सुरक्षित वातावरण बनाने का संकल्प लिया।

कामगार नेता अधिवक्ता नितीन तांबे की हार्ट अटैक से मौत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता एवं ठाणे जिला बहुजन विद्यार्थी संगठन के जिलाध्यक्ष एड. नितीन श्रीपत तांबे (42) का शुक्रवार सुबह हृदयविकार के तीव्र झटके से निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन की खबर से शहर के अधिवक्ता, पालिका कर्मचारी एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एडवोकेट नितीन तांबे मनपा कामगार नेता श्रीपत तांबे के बड़े पुत्र थे। वे कोंबड़पाड़ा स्थित रामदूत इमारत में अपने परिवार के साथ रहते थे। बहुजन विद्यार्थी संगठन के ठाणे जिला अध्यक्ष के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर लगातार काम किया। स्कूल-कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति तथा विद्यार्थियों को मिलने वाली अन्य सुविधाओं के लिए उन्होंने कई बार मोर्चे और आंदोलन किए थे। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे एड. नितीन तांबे समाचार पत्र खरीदने के लिए कासारआली पहुंचे थे। वहां से अपनी मोटरसाइकिल पर घर लौटते समय उन्हें अचानक तेज हृदयाघात आया और वे मोटरसाइकिल समेत सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन से परिवार में पत्नी, छोटा पुत्र, माता-पिता और भाई सहित परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शुक्रवार शाम स्थानीय श्मशानभूमि में गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर शहर के बड़ी संख्या में अधिवक्ता, नागरिक, पालिका अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मीशो पर राखी के ऑर्डर्स में 36% की वृद्धि, नॉन-मेट्रो भारत और छोटे विक्रेताओं ने बढ़ाई त्योहारी मांग

मुंबई/पटना। पिछले एक महीने के दौरान मीशो पर राखी की खरीदारी में तेजी देखने को मिली। इस दौरान प्लेटफॉर्म ने पिछले वर्ष की समान राखी शॉपिंग अवधि की तुलना में ऑर्डर्स में लगभग 36% की वृद्धि और जीएमवी में लगभग 38% की वृद्धि दर्ज की। इस वर्ष मीशो पर राखी के कुल ऑर्डर्स में लगभग 73% हिस्सेदारी नॉन-मेट्रो भारत की रही। यह दशार्ता है कि देश के बड़े शहरों से आगे अब छोटे शहर भी त्योहारी ई-कॉमर्स की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सबसे तेज वृद्धि टियर 3 और टियर 4 बाजारों में दर्ज की गई।

उत्तर प्रदेश के छोटे औद्योगिक शहर दादरी ने लगभग 105% सालाना वृद्धि के साथ सबसे आगे स्थान बनाया। इसके बाद नबरंगपुर (ओडिशा), कासगंज, धमतरी और नैनपुर (मध्य प्रदेश) जैसे शहरों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

साप्ताहिक बाजार में वृद्ध महिला के गले से सोने का हार चुराने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार

पालघर पुलिस ने सुलझाया चोरी का मामला, सोने का हार बरामद

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के शुक्रवार साप्ताहिक बाजार से सब्जी खरीदकर घर लौट रही 70 वर्षीय वृद्ध महिला के गले से करीब तीन लाख रुपये कीमत का 28 ग्राम वजन का सोने का हार चोरी करने वाली दो महिला आरोपियों को पालघर पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार करते हुए आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सोने का हार भी बरामद कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवापुर नाका स्थित सिद्धिविनायक कॉम्प्लेक्स, जी विंग, कमरा नंबर 201, बोईसर निवासी 70 वर्षीय गीता गणपत ठाकूर 21 अगस्त 2026 को बोईसर शहर के शुक्रवार साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदने गई थीं। खरीदारी करने के बाद वह घर लौट रही थीं। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने उनके गले में पहना करीब 28 ग्राम वजन का सोने का हार चोरी कर लिया। चोरी हुए हार की अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई गई। घटना का पता चलने के बाद वृद्ध महिला ने बोईसर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 322/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 304(1) के अंतर्गत 21 अगस्त 2026 को रात 8.48 बजे मामला दर्ज किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पालघर के पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख के मार्गदर्शन में बोईसर पुलिस की विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय सूचना के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। जांच के दौरान पुलिस को दो महिला आरोपियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके बाद पुलिस ने रज्जाबाई मोहन हतागले उर्फ मांगगारोडी (47) तथा रेणुका संजय हतागले (35) को गिरफ्तार किया। दोनों महिलाएं वर्तमान में संजयनगर झोपड़पट्टी, उधना, जिला सूरत, गुजरात में रह रही थीं। दोनों मूल रूप से शेवालेवाडी, तहसील पाचोरा, जिला जलगांव की निवासी बताई गई हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में साप्ताहिक बाजार में वृद्ध महिला के गले से सोने का हार चोरी करने की वारदात दोनों महिलाओं द्वारा मिलकर अंजाम दिए जाने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने उनके पास से 28 ग्राम वजन का चोरी किया गया सोने का हार, जिसकी कीमत करीब तीन लाख रुपये है, बरामद कर लिया। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक नितीन नरले, बोईसर पुलिस थाना द्वारा की जा रही है।

इस कार्रवाई को पालघर पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले तथा बोईसर विभाग के उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश बैसाने के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। उक्त कार्रवाई में बोईसर पुलिस थाना के पुलिस निरीक्षक सुनील जाधव, सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील सालुंखे, पुलिस उपनिरीक्षक नितीन नरले, परिवीक्षाधीन पुलिस उपनिरीक्षक ऋषिकेश मुंढे, पुलिस हवलदार विजय दुबला, नीरज शुक्ला, सुनील मलावकर, पुलिस नाईक योगेश गवित तथा पुलिस अमलदार मयुर पाटील, देवेंद्र पाटील, धीरज सालुंखे, मच्छिंद्र घुगे, गणेश हसकोटी, सचिन सोनावणे, शुभम सपकाले, किरण वाघ, रोहित पाटील व दीपक पालवे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अजय चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से अंधेरी पूर्व में भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पूर्व के पंप हाउस में जानी मानी सामाजिक - सांस्कृतिक संस्था अजय चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्रावण मास के अवसर पर भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में अजय चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी और उनकी पत्नी बीनू तिवारी ने पूजा संकल्प के साथ रुद्राभिषेक किया। अजय तिवारी के आवास पर संपन्न हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। जिसमें प्रमुख रूप से भारतवर्ष के मशहूर इनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा ,अंधेरी विधानसभा के कार्यसम्राट विधायक मुरजी भाई पटेल , महाराष्ट्र के जाने माने आर टी आई एक्टिविस्ट अनिल गलगली , के पूर्व प्रभाग समिति अध्यक्ष प्रकाश भाऊ मुसले, युवा नेता अमोल कीर्तिकर , वार्ड ७९ की नगरसेविका मधु जुवाटकर , राज भाई त्रिवेदी , हाईवे मेडिकल के मालिक डॉक्टर हेमंत दूगड़ , सुर्खिया समाज के संपादक संजय दुबे ,प्रशांत उपाध्याय , नरेंद्र शुक्ला , गोलू पांडे ,प्रियंका मुंगेकर,मनीषा यादव , गोविंद सराफ, राजकुमार तोषनीवाल, राजाराम छापरवाल, डॉक्टर श्रीकांत बडवे, पत्रकार विजय यादव सहित करीब ३०० लोगों ने रुद्राभिषेक किया।

इनर व्हील क्लब ऑफ पालघर ने सपोर्ट रिहैबिलिटेशन सेंटर में आयोजित किया स्नेहबंधन समारोह

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। इनर व्हील क्लब ऑफ पालघर की ओर से सफाले स्थित सपोर्ट रिहैबिलिटेशन सेंटर में रक्षाबंधन स्नेहबंधन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र में परिवार से दूर रह रहे 15 विशेष बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व प्रेम, अपनत्व और आत्मीयता के माहौल में मनाया गया।

रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, देखभाल और रिश्तों को मजबूत करने का पर्व है। इसी भावना के साथ क्लब की सदस्यों ने विशेष बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें परिवार से दूर होने का एहसास न हो, इसके लिए स्नेह एवं अपनत्व की भावना से त्योहार मनाया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और भावुक क्षणों में कुछ लोगों की आंखों में खुशी के आंसू भी छलक पड़े। लगातार दूसरे वर्ष इनर व्हील क्लब ऑफ पालघर की ओर से रक्षाबंधन समारोह आयोजित किए जाने पर सपोर्ट रिहैबिलिटेशन सेंटर के प्रमुख विजय पवार ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने क्लब के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए आभार जताया। क्लब ने इस पहल को केवल एक दिन के उत्सव तक सीमित नहीं रखा। केंद्र में रहने वाले बच्चों की दैनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इनर व्हील क्लब की ओर से सेंटर को दो माह के लिए आवश्यक किराना सामग्री भी प्रदान की गई। इस सहयोग से केंद्र के दैनिक संचालन में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। इस दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उनके चेहरों पर दिखाई देने वाली मुस्कान और उत्साह ने पूरे कार्यक्रम को यादगार बना दिया। प्रेम, स्नेह और मानवता से परिपूर्ण यह आयोजन उपस्थित सभी लोगों के लिए भावुक और संतोषजनक अनुभव रहा। रक्षाबंधन के अवसर पर क्लब अध्यक्षा अनुश्री ने बच्चों से एक विशेष वचन भी लिया। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि वे जल्द स्वस्थ होकर केंद्र से बाहर निकलें, दोबारा नशे की गिरफ्त में न आएं और अपने साथियों को भी नशे से बाहर निकलने में मदद करें। बच्चों ने इस भावनात्मक अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प व्यक्त किया।

गणपति उत्सव से पहले वार्ड क्रमांक 16 की सड़कों की मरम्मत तेज

◆भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह की पहल पर गड्ढों का डामरीकरण शुरू, श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड आगामी गणपति उत्सव को ध्यान में रखते हुए मीरा रोड के वार्ड क्रमांक 16 में सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत का कार्य तेज कर दिया गया है। भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह की पहल पर क्षेत्र की विभिन्न सड़कों और प्रमुख मार्गों पर डामरीकरण के माध्यम से गड्ढों को भरने का कार्य किया जा रहा है।

वर्तमान में लगातार हल्का-फुल्का जारी बारिश के कारण सड़क मरम्मत के कार्य में कुछ विलंब हो रहा है। इसके बावजूद वार्ड क्रमांक 16 के सभी प्रमुख मार्गों एवं सड़कों की चरणबद्ध तरीके से मरम्मत पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है। गणपति उत्सव के दौरान नागरिकों और श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके, इसके लिए सड़क मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने कहा कि गणपति उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न गणेश मंडलों और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। ऐसे में क्षेत्र की सड़कें सुचारु और सुरक्षित रहना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। नगरसेवक नवीन सिंह ने वार्ड के नागरिकों से सड़क मरम्मत कार्य के दौरान सहयोग करने तथा कार्य की प्रगति को ध्यान में रखने की अपील की है।

अनोखे अंदाज में बोईसर रेलवे स्टेशन पर मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

◆भाजपा जिला उपाध्यक्ष विद्या राजपूत व अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी ने रिक्शा चालकों व रेलवे कर्मचारियों को बांधी राखी

पालघर(उत्तरशक्ति)। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और आपसी विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शनिवार 29 अगस्त 2026 को बोईसर रेलवे स्टेशन परिसर में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष विद्या राजपूत एवं अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी के संयुक्त प्रयास से रेलवे स्टेशन पर उपस्थित रिक्शा चालकों, स्टेशन मास्टर एवं रेलवे के कर्मचारियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया।

इस अवसर पर महिलाओं ने सभी रिक्शा चालकों को राखी बांधी और उनका मुंह मीठा कराया। साथ ही स्टेशन मास्टर एवं रेलवे स्टेशन के अन्य कर्मचारियों को भी राखी बांधकर मिठाई खिलाई गई। इस दौरान पूरे परिसर में भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। राखी बंधवाने के बाद रिक्शा चालकों ने बहनों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि वे किसी भी बहन को अकेला नहीं छोड़ेंगे और जरूरत पड़ने पर हर महिला की सुरक्षा एवं सहायता के लिए हमेशा आगे रहेंगे। रिक्शा चालकों के इस संकल्प की उपस्थित लोगों ने सराहना की।कार्यक्रम में प्रिया पाटील, ज्ञानमती निषाद, प्रीति मिश्रा, पुष्पा जयप्रकाश शर्मा, तीतर महतो सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष रिक्शा चालक तथा अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए रक्षाबंधन पर्व को यादगार बनाया।

नेपाली समाज के लोगों ने थामा भाजपा का दामन

जिला महासचिव अशोक वडे ने नए सदस्यों का किया स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष भरत राजपूत के मार्गदर्शन में बोईसर क्षेत्र के नेपाली समाज के कई समाजबंधुओं ने भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। भाजपा नेता एवं पालघर जिला महासचिव अशोक वडे के हाथों नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत किया गया। प्रवेश कार्यक्रम अशोक वडे के निवास स्थान पर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अशोक वडे ने भाजपा में शामिल हुए सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने में समाज के प्रत्येक वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेपाली समाज के कार्यकताओं के पार्टी से जुड़ने से बोईसर क्षेत्र में भाजपा का संगठन और अधिक मजबूत होगा। कार्यक्रम में सरावली ग्रामपंचायत की सदस्या एवं बोईसर मंडल सचिव जुली बारी, उत्तर भारतीय आघाड़ी के जिला महासचिव तुषार साबू, उत्तर भारतीय आघाड़ी के जिला उपाध्यक्ष अखिल गर्ग, पालघर जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष राहुल सिंह, बोईसर मंडल युवा मोर्चा के सचिव यासिर शेख तथा बोईसर मंडल सोशल मीडिया प्रमुख राजेंद्र दिलीप सुनार, संजय बारी सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नेपाली समाज के नवप्रवेशित सदस्यों ने भाजपा की विचारधारा एवं संगठन के साथ मिलकर क्षेत्र के विकास तथा समाजहित में सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

ईद-ए-मिलाद जुलूस मार्ग पर फर्जी नंबर प्लेट वाली संदिग्ध ब्रेजा कार जब्त

◆विरार ट्रैफिक ब्रांच की सतर्कता से हुआ खुलासा, वाहन का असली नंबर और मालिक निकला अलग; आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। विरार ईद-ए-मिलाद के त्योहार की तैयारियों के दौरान जुलूस मार्ग पर यातायात व्यवस्था संभाल रही विरार यातायात शाखा की टीम ने एक संदिग्ध ब्रेजा कार को जब्त कर उस पर लगी फर्जी नंबर प्लेट का पदार्फाश किया है। जांच में कार का वास्तविक पंजीकरण नंबर और मालिक फर्जी नंबर प्लेट पर दर्ज विवरण से अलग पाए गए। इस मामले में एक 32 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच पेल्हार पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 अगस्त 2026 को ईद-ए-मिलाद के अवसर पर विरार यातायात विभाग के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी जुलूस मार्ग पर यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने में जुटे हुए थे। पुलिस निरीक्षक अरविंद चौधरी, सहायक पुलिस निरीक्षक विजय कोली तथा अन्य यातायात पुलिसकर्मी वसई फाटा, सोपारा फाटा, धानीव बाग और वाकनपाड़ा क्षेत्र में गश्त कर जुलूस मार्ग में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे थे। नारंगी रंग की ब्रेजा कार से बढ़ा संदेह दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को नालासोपारा (पूर्व) के वाकनपाड़ा क्षेत्र में ए वन बार्लर चिकन शॉप के सामने सार्वजनिक सड़क पर एक नारंगी रंग की मारुति सुजुकी ब्रेजा कार, नंबर MH-46-CM-0307, खड़ी दिखाई दी। चूंकि उक्त वाहन जुलूस के मार्ग पर खड़ा था, इसलिए यातायात पुलिस ने वाहन के पंजीकरण नंबर की जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि उक्त नंबर रायगढ़ जिले के गावन निवासी श्रीमती अफरीन अनीस शेख के नाम पर पंजीकृत है।

पुलिस द्वारा संपर्क करने पर अफरीन शेख ने बताया कि उनकी वास्तविक ब्रेजा कार सफेद रंग की है और वह वाहन उस व्यक्ति के साथ फरार हो गया है, जिसे उन्होंने गाड़ी चलाने के लिए दी थी। उन्होंने इस संबंध में उरान पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी। इस जानकारी के बाद यातायात पुलिस का संदेह और गहरा गया तथा मौके पर खड़ी नारंगी रंग की ब्रेजा कार की विस्तृत जांच शुरू की गई।

चेसिस नंबर की जांच में सामने आया फजीर्वाड़ा: जांच के दौरान वसई पूर्व के वालिव क्षेत्र निवासी अफजल जैनुल्लाह चौधरी (32) मौके पर पहुंचा और उसने उक्त कार पर अपना दावा किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

फतेहगंज बाजार में दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत में दो युवकों की मौत

हादसे में एक युवक गंभीर घायल, जिला अस्पताल से निजी अस्पताल रेफर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के फतेहगंज बाजार में शुक्रवार देर रात दो मोटरसाइकिलों की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि दुर्घटना में अजीत यादव (20) और ऑफिर (19) की मौत हुई है। वहीं रंजीत राव (21) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर देखते हुए उसे निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना बक्शा थाना क्षेत्र के फतेहगंज बाजार की है।

191 चयनित अभ्यर्थियों को कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने प्रदान किया नियुक्ति पत्र

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन रोजगार योजना के अंतर्गत जनपद गाजीपुर के युवा वर्ग को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंचायती राज विभाग, महिला कल्याण विभाग एवं सेवा योजन विभाग द्वारा संयुक्त नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम राइफल क्लब स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। नियुक्ति पत्र पाकर सभी के चेहरे खिल उठा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री, पंचायती राज विभाग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग, उ0प्र0 सरकार, ओमप्रकाश राजभर रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्ज्वलन ज्ञान,उन्नति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जो हमारे युवा वर्ग के उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर जी ने अपने सम्बोधन मे कहा की आज का दिन गाजीपुर के युवाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में मिशन रोजगार के माध्यम से बिना भेदभाव, बिना भ्रष्टाचार के युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है। उन्होंने सभी 109 पंचायत सहायकों, 10 सखी वन स्टॉप सेन्टर की बहनों और सेवा योजना विभाग के माध्यम से 72 रोजगार पाने वाले नौजवानों को बधाई दिया। कहा की आप सभी गांव में जाकर सरकार की योजनाओं को ईमानदारी से पहुंचाइये। विशेष कर पंचायत सहायक गांव के विकास की धुरी हैं। आप सभी निष्ठा से कार्य करें ।ष्यही सभी से आशा है। उन्होंने बताया की जनपद में माह अगस्त 2026 में 109 पंचायत सहायकों की नियुक्ति हुई है।

अब तक 1238 के सापेक्ष 1206 पंचायत सहायकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। शेष 32 ग्राम पंचायतों में भी चयन की कार्यवाही प्रचलित है। ये युवा वर्ग अपने-अपने ग्राम पंचायत में कार्य करते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं को धरातल पर लायेंगे। महिला कल्याण विभाग विभाग द्वारा माह अगस्त में 10 कार्मिकों का वन स्टॉप सेन्टर (जिसे सखी शेल्टर भी कहा जाता है) में चयन हुआ है। ये कार्मिक हिंसा व संकट से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे सहायता प्रदान करेंगी। उन्हेाने बताया कि पंचायत सहायकों द्वारा ग्राम सचिवालय को क्रियाशील रखते हुए ग्रामीणजनों को जनसेवा केंद्रों के माध्यम से आय, जाति, निवास आदि आवश्यक प्रमाण-पत्रों से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), ग्राम पंचायत विकास योजना की ऑनलाइन फीडिंग, ओएफएसआर अर्जित करने सहित विभिन्न कार्यों में भी पंचायत सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सेवा योजन विभाग से विभिन्न विधान सभाओ, संस्थानों तथा महाविद्यालयों में आच्दादित करते हुए माह अगस्त से दिसम्बर, 2026 तक 23 रोजगार मेला का आयोजन किया जायेगा जिसमें निर्धारित लक्ष्य 2330 के सापेक्ष लगभग 6000 अभ्यर्थियों का लक्ष्य के सापेक्ष चयन करने हेतु लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में अप्रैल 2026 से अगस्त 2026 तक 13 रोजगार मेलों के माध्यम से 977 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। जिसमें अगस्त माह में इस जनपद के 72 युवाओं को हिन्डालको, रेनुकोट, ग्लोबल आटोटेक व पूर्वांचल जैसी कम्पनियों में रोजगार का ऑफर लेटर सेवा योजन विभाग के सहयोग से उपलब्ध कराया गया।

मुख्य अतिथि द्वारा सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र एवं ऑफर लेटर वितरित कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, जिलाध्यक्ष सुभासपा सुरेंद्र राजभर, जिलाध्यक्ष निषाद पार्टी ओम प्रकाश बिन्द ने सभी नव चयनितो को बधाई देते हुए अपने सम्बोधन व्यक्त किया। कार्यक्रम में, एम एल सी प्रीतिनिधि प्रदीप पाठक, जिलाध्यक्ष भाजपा ओम प्रकाश राय, जिलाध्यक्ष सुभासपा सुरेंद्र राजभर, जिलाध्यक्ष निषाद पार्टी ओम प्रकाश बिन्द एवं जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, जिला विकास अधिकारी राजन राय, परियोजना निदेशक, जिला सेवयोजन अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी तथा लाभार्थी उपस्थित रहे।

प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने पति की हत्या की, शव सड़क पर फेंककर दुर्घटना का रूप देने का प्रयास

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। शक्तिनगर थाना क्षेत्र में संदिग्ध सड़क दुर्घटना के रूप में सामने आई हत्या की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त 2026 को बीना स्टेडियम/जमशीला के पास एनसीएल बीना में सीनियर ओवरमैन के पद पर कार्यरत रमाशंकर मिश्रा का शव सड़क किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हुआ, लेकिन घटनास्थल की परिस्थितियां संदिग्ध मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक की पत्नी प्रियंका मिश्रा का विकास चौहान के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, 22 अगस्त को रमाशंकर ने दोनों को घर पर देख लिया, जिसके बाद विवाद हुआ। आरोप है कि प्रियंका और विकास ने रमाशंकर का गला दबाने के साथ पत्थर के फर्श पर सिर पटककर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद वारदात को दुर्घटना का रूप देने के लिए विकास चौहान ने अनुराग सिंह उर्फ बादल और सोनू गुप्ता की मदद से शव को चादर और गमछे में लपेटकर सड़क किनारे पहुंचाया। इसके बाद वाहन से चोट पहुंचाकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल, लोकेशन और घटनास्थल से मिले अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले का खुलासा करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी: विकास चौहान पुत्र यदुनंदन चौहान, बीना कॉलोनी, प्रियंका मिश्रा पत्नी स्व. रमाशंकर मिश्रा, बीना कॉलोनी, अनुराग सिंह उर्फ बादल पुत्र ध्रुव कुमार सिंह, बीना कॉलोनी, सोनू गुप्ता पुत्र सुभाष गुप्ता, जमशीला।

कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में हुई। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर सत्येंद्र कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटना का अनावरण किया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव, कांस्टेबल सत्यम सरोज, अरुण कुमार, अमन सिंह और अमृत लाल शामिल रहे। मु0अ0सं0 162/2026, धारा 103(2)/ 238 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है।

खड़ी ट्रक में ई-रिक्शा की टक्कर, चालक गम्भीर रूप से घायल

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय-जौनपुर मुख्य मार्ग पर युनुसपुर मोड़ के समीप सड़क किनारे खड़ी ट्रक से ई-रिक्शा की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे राहगीरों की मदद से तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, मनेछा निवासी रंजीत शर्मा पुत्र नरसिंह शर्मा (30 वर्ष) गुरुवार देर शाम अपना ई-रिक्शा लेकर खेतासराय चौराहे से घर जा रहे थे। वह युनुसपुर मोड़ के समीप पहुंचे ही थे कि सड़क किनारे खड़ी ट्रक से उनका ई-रिक्शा टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रंजीत शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायल चालक को तत्काल उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। वहीं, दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है।

तालाब में संदिग्ध हाल में मिली युवक की लाश,परिजनों को हत्या की आशंका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के नासही मुहल्ले में स्थित कुटिया के पीछे स्थित तालाब में शुक्रवार की सुबह एक 30वर्षीय युवक की लाश संदिग्ध हाल में मिलने से सनसनी मचा गयी। वह पिछले दो दिनों से घर से लापता था। शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर मोहल्ले के लोगों की भीड़ जुट गई।मृतक के परिजन ने हत्या होने की आशंका जताया है। कस्बे के कुछ लोग सुबह उक्त तालाब की तरफ गए थे। उनकी नजर तालाब में पड़े एक शव पर पड़ी। सूचना मिलने पर जफराबाद चौकी से पुलिस बल मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शव की पहचान कस्बे के शेखवाडा मुहल्ले के निवासी नासिर (30 वर्ष) पुत्र स्वर्गी जुबैर के रूप में हुई। मृतक के बड़े भाई मोहम्मद आमिर पुत्र स्वर्गीय जुबेर ने बताया कि नासिर बीते दो दिनों से घर से लापता था।उसकी काफी तलाश हुई परन्तु उसका पता नही चल सका था।शव मिलने के बाद उसने भाई की मौत को संदिग्ध बताया। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों ने तहरीर दिया है। उसी आधार पर कार्यवाही की जा रही है।मामले के सभी तथ्यों की जांच की जा रही। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सच्चाई का पता लगेगा।

कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत जनपद में एक भी आवेदन लंबित न रहे। पात्र किसानों के आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों के बीच, गांव गांव, भीड़ भाड़ वाले बजारों में एलईडी या प्रचार वाहन से कराया जाए जिससे अधिक से अधिक किसान जागरूक हो सकें। साथ ही जनपद में मूली की फसल को बढ़ावा देने तथा किसानों को इसके उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने और जीआई टैग प्राप्त किए जाने हेतु प्रयास करने के निर्देश दिए । बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे, फार्मर रजिस्ट्री, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण, मृदा नमूना एकत्रीकरण सहित कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने भूमि संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में जल संरक्षण दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद के आठ ब्लॉक क्रिटिकल श्रेणी में हैं, इसलिए जल संरक्षण एवं भूजल स्तर में सुधार के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएं तथा किसानों को बाजार की उपलब्ध सुविधाओं और विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में उप कृषि निदेशक अश्वनी कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, डिप्टी पीडी आत्मा रमेश यादव सहित कृषि विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

किशोरी को लेकर फरार होने के मामले में आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया न्यायालय

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एक गाँव से किशोरी के लापता होने के मामले में खेतासराय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। किशोरी के कई दिनों तक लापता रहने से चिंतित परिजनों को अब पुलिस कार्रवाई से राहत मिली है।

जानकारी के अनुसार, गत 17 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे एक 16 वर्षीय किशोरी घर से बाहर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के संभावित स्थानों पर काफी तलाश की, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की माँग की थी।

परिजनों का आरोप था कि क्षेत्र का एक युवक किशोरी को अपने साथ कहीं ले गया है। इस संबंध में 20 अगस्त को थाने में पॉक्सो एक्ट सहित सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की जाँच शुरू करते हुए आरोपी की तलाश तेज कर दी थी।

थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मामले में वांछित आरोपी अविनाश यादव पुत्र स्व. राकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।

नौपेड़वा बाजार में धूमधाम और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया जश्न-ए-मिलाद-उन-नबी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के विकासखंड बक्सा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ऐतिहासिक नौपेड़वा बाजार में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस का पावन पर्व (ज जश्न-ए-मिलाद-उन-नबी) बेहद उत्साह, उल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। इस दौरान पूरे बाजार में भारी भीड़ उमड़ी और पूरा क्षेत्र आकर्षक रोशनी, फूलों और इस्लामी झंडों से सजा नजर आया।

गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल: कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण क्षेत्र में आपसी भाईचारे की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर मजहब नहीं सिखाता 'आपस में बैर रखना' और 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदुस्तान हमारा' के नारों और गीतों की गूंज ने देश की गंगा-जमुनी तहजीब को जीवंत कर दिया। इस आयोजन में स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी दर्ज कराई।प्रमुख गणमान्य लोगों की उपस्थिति

इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन की गरिमा बढ़ाने के लिए क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से अंकित यादव (पुत्र महेंद्र यादव, जिला पंचायत सदस्य, जौनपुर), मौलाना निजामुद्दीन एवं मौलाना लल्लन, मोहम्मद अख्तर, मेहंदी और फिरोज (अध्यापक) अभिनय सिंह (अध्यापक), अरबाज, पिंटू निगम, गुलजार अहमद, साजुल अली, दानिश पत्रकार, मेहताब हाफिज नदीम, सोहेल, साहिल, अरमान सहित अन्य सम्मानित लोग शामिल रहे।

सुरक्षा व्यवस्था और शांतिपूर्ण समापन: कार्यक्रम के दौरान कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। जलसे के अंत में देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की मजबूती के लिए विशेष दुआ मांगी गई।

पीयू में पुनः 6 दिवसीय कार्य सप्ताह लागू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को समय पर पूरा करने और छात्र हित को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह के आदेशानुसार, विश्वविद्यालय में पूर्व की व्यवस्था को बहाल करते हुए 06 दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल प्रभाव से पुनः लागू कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव के द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब विश्वविद्यालय के शिक्षण कार्य और कार्यालय प्रातः 10:00 बजे से चलेंगे। इसके साथ ही कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए भोजन मध्यावकाश (लंच ब्रेक) का समय अपराह्न 1:30 बजे से 2:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। आगामी सत्र के पठन-पाठन और परीक्षाओं को समय पर संपन्न कराने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। इससे पहले 16 मई 2026 को जारी किए गए पुराने आदेश को अब इस नए आदेश की सीमा तक संशोधित माना जाएगा।

जेल की चौखट पर दिखा भाई-बहन का प्यार, राखी बांधकर बहनों ने मांगी भाइयों की सलामती

राखी लेकर जेल पहुंचीं बहनें, मिलन की खुशी में छलके आंसू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार को जिला कारागार में भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास की भावुक तस्वीर देखने को मिली। जेल में निरुद्ध अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में बहनें कारागार पहुंचीं। जेल के बाहर बहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। दूर-दराज से आई बहनें अपने साथ राखी और मिठाई लेकर पहुंची थीं।

मुलाकात के दौरान बहनों ने भाइयों की आरती उतारी, माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर राखी बांधी। भाई को सामने देखकर कई बहनों की आंखें नम हो गईं। लंबे समय बाद हुए इस भावुक मिलन में खुशी के साथ अपनों से दूर रहने का दर्द भी नजर आया। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा और उनके सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहने का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन को लेकर जिला कारागार प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। जेल अधीक्षक ने बताया कि जेल मंत्री के निर्देश पर बहनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कारागार परिसर में पंडाल और बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था की गई थी।

बहनों की मुलाकात की व्यवस्था तीन शिफ्टों में की गई, जिससे अधिक से अधिक बहनों को अपने भाइयों से मिलने का अवसर मिल सके और व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे। जिन बहनों के पास मिठाई नहीं थी, उनके लिए जेल प्रशासन की ओर से मिठाई उपलब्ध कराई गई।

कारागार की चारदीवारी के बीच रक्षाबंधन का यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की भावनात्मक गहराई का गवाह बना। राखी बांधते समय बहनों की आंखों में खुशी और आंसू दोनों दिखाई दिए। इस दौरान भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व ने जेल के माहौल को भी भावुक कर दिया।

सावन भर चले रुद्राभिषेक पूजन का पूर्णिमा पर हुआ समापन

- 251 जड़ी-बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी गई आहुति
- हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा भिखारी बाबा आश्रम

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रामगढ़ कसारी स्थित रामसरोवर के शिव मंदिर परिसर में सावन माह भर चले रुद्राभिषेक पूजन कार्यक्रम का पूर्णिमा के अवसर पर विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर 251 जड़ी-बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। इस दौरान हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा भिखारी बाबा आश्रम गुंजायमान रहा।

आचार्य अमरेश मिश्र ने रुद्राभिषेक, हवन एवं आरती पूजन संपन्न कराया। कार्यक्रम के संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि पूरे सावन माह आचार्य अमरेश मिश्र द्वारा नियमित रूप से रुद्राभिषेक एवं आरती पूजन कराया गया, जिसका पूर्णिमा पर समापन हुआ।

उन्होंने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण से निजात और वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से 251 जड़ी-बूटियों से तैयार हवन सामग्री से आहुति दी गई। आचार्य अमरेश मिश्र को 9,001 रुपये की दक्षिणा सोनभद्र के वरिष्ठ समाजसेवी संजय अग्रवाल की ओर से भेंट की गई।

इस दौरान शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के सदस्यों ने हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। सावन माह के दौरान प्रतिदिन आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में चिंता मौर्य, आदित्य केशरी, उषा, रिशिता, चिरौंजी, रामकृपा, मनीता, करुणा सिंह, उर्मिला देवी, सत्या, संगीता, परमानंद, कालो देवी, विमला देवी, हीरा सिंह, साधु सिंह, महेंद्र सिंह सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

गाजीपुर मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान पुलिस अभिरक्षा से हिस्ट्रीशीटर सुधीर पासी फरार

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। राजकीय मेडिकल कॉलेज से शनिवार तड़के पुलिस अभिरक्षा में भर्ती हिस्ट्रीशीटर सुधीर पासी उर्फ ध्रुव पासी फरार हो गया। घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सुधीर 21 अगस्त को पैरों में लगी गोली के ऑपरेशन के लिए जिला कारागार से मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि शनिवार सुबह करीब चार बजे सुधीर व्हीलचेयर से दूसरे तल स्थित बर्न वार्ड के शौचालय में गया।

शौचालय के बाहर पुलिसकर्मी तैनात था। करीब 15 मिनट तक बाहर नहीं आने पर पुलिसकर्मी ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से जवाब नहीं मिलने पर दरवाजे का लॉक तोड़ा गया। अंदर शौचालय की जाली टूटी मिली और सुधीर गायब था। मौके पर उसकी व्हीलचेयर और गमछा पड़ा मिला। सुधीर मरदह थाने का हिस्ट्रीशीटर ल्र-92अ है। पुलिस के अनुसार एक अगस्त को गहमर थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान उसके दोनों पैरों में गोली लगी थी। उसके खिलाफ गाजीपुर समेत कई जिलों में चोरी, लूट, रंगदारी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित करीब 35 मुकदमे दर्ज हैं। घटना के बाद पुलिस मेडिकल कॉलेज परिसर और आसपास के संभावित रास्तों पर उसकी तलाश कर रही है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। मरीजों और तीमारदारों के अनुसार आरोपी कई बार मोबाइल मांगता था। पुलिस अभिरक्षा में भर्ती घायल बंदी के शौचालय की जाली तोड़कर फरार होने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिसकर्मी की मौजूदगी के बावजूद आरोपी कैसे फरार हुआ और उसने बाहर निकलने के बाद किस रास्ते का इस्तेमाल किया, इसकी जांच की जा रही है। पूर्व में भी पुलिस अभिरक्षा से आरोपियों के फरार होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे में इस मामले में जिम्मेदारी तय होने और सुरक्षा में चूक की जांच पर सभी की नजर है।

मेडिकल कैंप में 18 दिव्यांग बच्चों को मिला प्रमाण पत्र, दो सर्जरी के लिए रेफर

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीआरसी बक्शा में शनिवार को मेडिकल असेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के बाद 18 बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए, जबकि दो बच्चों को सर्जरी के लिए रेफर किया गया।

कैंप का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर एवं जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय के सौजन्य से किया गया। मेडिकल टीम में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. मेजर तपीस, नेत्र सर्जन डॉ. एसके रजक, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. बृजेश कनौजिया, मनोचिकित्सक दिलीप चौरसिया, ऑडियोलॉजिस्ट सुरेंद्र कुमार तथा जिला फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. पीडी तिवारी शामिल रहे।

कैंप में कुल 26 बच्चों का पंजीकरण कराया गया। चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के बाद 18 बच्चों को दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं दो बच्चों को आवश्यक सर्जरी के लिए रेफर किया गया। दो बच्चों को जांच के बाद प्रमाण पत्र के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया, जबकि चार बच्चों का आधार कार्ड संबंधी समस्या के चलते पंजीकरण नहीं हो सका।

कैंप में दिव्यांग बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी मौजूद रहे। इस दौरान हेडमास्टर वीर शेन यादव, विशेष शिक्षक प्रमोद कुमार माली, अभिलाषा श्रीवास्तव, अरुणा सिंह, सचिन गुप्ता सहित बीआरसी स्टाफ के जितेंद्र मौर्या, राकेश कुमार, देवेंद्र यादव, आनंद सिंह, संजय विश्वकर्मा एवं महेंद्र विश्वकर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जमीन खाली करने को लेकर विवाद, टाटी-मड़ई तोड़ने और जान से मारने की धमकी का आरोप, चार पर मुकदमा दर्ज

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कोतवाली दुद्धी क्षेत्र के मल्देवा गांव में जमीन खाली करने को लेकर हुए विवाद के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 351(3) और 324(2) के तहत मुकदमा दर्ज की है। दर्ज मुकदमा के अनुसार, मल्देवा निवासी करीब 55 वर्षीय विनोद कुमार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि बीते 23 अगस्त की सुबह करीब सात बजे वह ठेला लेकर सब्जी बेचने बाजार गया था। इसी दौरान घर पर परिवार के सदस्यों को अकेला पाकर राजेश घुसिया उसके घर पहुंचा और उसके बच्चों से जमीन खाली करने को कहा। आरोप है कि जमीन खाली करने से मना करने पर गाली-गलौज की गई। तहरीर के मुताबिक, राजेश घुसिया ने फोन कर मनोज आजाद, माइकल घुसिया और संजीव घुसिया को भी बुला लिया। आरोप है कि इसके बाद चारों ने वहां लगी टाटी-मड़ई तोड़ दी तथा दोबारा टाटी-मड़ई लगाने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले में विनोद कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज की गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पालतू पशु भी हैं परिवार का हिस्सा! बजाज जनरल इंश्योरेंस का माय फैमिली कम्प्लीट हेल्थ कवर इन्हें देता है सदस्य का दर्जा

मुंबई। यह भारत का पहला अनूठा फैमिली हेल्थ प्लान है, जिसमें परिवार की संकल्पना का विस्तार किया गया है। इस खास प्लान में एक ही हेल्थ कवर में आपके परिवार के साथ-साथ आपके पालतू पशुओं यानी कि कुत्ते और बिल्लियों को भी शामिल किया जाता है।

यह पॉलिसी 5 लाख से लेकर 5 करोड़ तक की इंश्योरेंस राशि के साथ-साथ 5 साल तक की अवधि के लिए जरूरत के मुताबिक कवरेज पेश करती है। इसमें पेट पैरेंट और उनके पेट्स को व्यापक सुरक्षा मिलती है, जिसमें अस्पताल में भर्ती होने और इलाज के बाद देखभाल के खर्च सहित, आधुनिक इलाज की पद्धति, स्वास्थ्य सुधार लाभ जैसी कई बातें शामिल की गई हैं। इस पॉलिसी में इंसान हो या बेजुबान, सभी को परिवार का सदस्य मानते हुए, उनकी जरूरत के मुताबिक वैकल्पिक कवरेज की विस्तृत रेंज पेश की गई है। इतना ही नहीं, इसमें दोगुनी इंश्योरेंस राशि का लाभ, गंभीर बीमारी और दुर्घटना होने पर अतिरिक्त कवर, विदेश में इंश्योरेंस कवर, NRInsure एज शील्ड और पालतू पशु को गोद लेने के लिए आर्थिक सहायता जैसे कई विकल्प पेश किए गए हैं। यह पॉलिसी खुशियों की सौगात (बंडल ऑफ जॉय) जैसी अतिरिक्त सहूलियतें भी पेश करती है, जिसमें आपके नवजात शिशु के जन्म के साथ-साथ पालतू पशु के बच्चे के जन्म पर भी एक तय राशि पेश की जाती है।

यह पॉलिसी पालतू पशुओं के लिए खास फायदे जैसे कि आपके पालतू पशु को ढूंढने के लिए कवर, इमरजेंसी के दौरान पालतू के लिए रहने की व्यवस्था के साथ-साथ पेट थर्ड-पार्टी लायबिलिटी कवर भी पेश करती है।

इसमें स्मार्ट डिस्काउंट यानी लॉन्ग टर्म और फैमिली डिस्काउंट, लॉयल्टी और फिटनेस रिवॉर्ड, क्युम्युलेटिव बोनस, जोन के आधार पर कीमत का निर्धारण और वॉक टू विन डिस्काउंट जैसी कई सहूलियतें पेश की गई हैं। पुणे, 27 अगस्त 2026: बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व में बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से प्रचलित) भारत की अग्रणी प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी है और इसने आज ह्यमाय फैमिली कम्प्लीट नामक हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट के शुभारंभ की घोषणा की है।

अधिवक्ता हर्षित द्विवेदी के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ़ ग्राम गौरा रामापुर निवासी हर्षित द्विवेदी (मोहित द्विवेदी) का जन्मदिन दिनांक 28 अगस्त 2026 दिन शुक्रवार को बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अधिवक्ता हर्षित द्विवेदी मोहित एक सरल सौम्या, विवेकवान, मृदु भाषी, विनम्र, ऊजार्वान, समाजसेवी व्यक्ति हैं। उनके आवास पर जानी-मानी हस्तियों का जमावड़ा रहा। इस अवसर पर मुम्बई से मामा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मृग की कस्तुरी के सुगंध की भांति, हर्षित बेटा आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले। जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्य रूप से परिवार से पिता रमाकांत द्विवेदी, माता ऊषा देवी ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।भाई रोहित द्विवेदी, बड़े पापा पुर्व शिक्षक कृष्ण कुमार द्विवेदी , मुंबई से पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की, संतोष सिंह गोलू, मौसी जयदेवी शेषराज तिवारी, पिपरी से उर्मिला विजय शंकर मिश्र, आशा रुद्रप्रसाद द्विवेदी, विजई दुबे, अनिल दुबे, मोहिनी, आशू मिश्रा, प्रिंश मिश्रा, अग्नि मित्र त्रिपाठी, मामा राम-लखन मिश्रा, फूल चंद मिश्रा, रमाशंकर मिश्रा, उमाशंकर मिश्र, रमापति मिश्रा, सभापति मिश्रा,विजय चंद मिश्रा, मित्रगण राहुल मिश्रा, आदित्य मिश्रा, मुंगरा बादशाहपुर से विश्वहिंदू परिषद, बजरंग दल नगर उपाध्यक्ष रवि दुबे, राजु दुबे सहित सभी लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

वसोवा गांव में राष्ट्रीय लोक दल का जनसंपर्क कार्यालय शुभारंभ

मुंबई। संगठन के विस्तार और स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) की ओर से अंधेरी (पश्चिम) के वसोवा गांव स्थित रामचंद्र खरडे परिसर में जनसंपर्क कार्यालय का शुभारंभ किया गया। कार्यालय का उद्घाटन पार्टी के मुंबई अध्यक्ष एड. टीएन शर्मा की उपस्थिति में हुआ।इस अवसर पर एड. टीएन शर्मा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व की मंशा मुंबई में स्थायी कार्यालयों के माध्यम से संगठन को मजबूत करने के साथ आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार काम करने की है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वसोर्वा में जनसंपर्क कार्यालय शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यालय के माध्यम से सामाजिक एवं जनहित से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ जरूरतमंद लोगों की सहायता भी की जाएगी। शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी केंद्र की भाजपा नीत सरकार में मंत्री हैं और देश व समाज के हित में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकतोओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर पार्टी की मुंबई महिला अध्यक्ष रानू सिंह, युवा अध्यक्ष मुकुंद सिंह, राजेश श्रीवास्तव, राकेश सिंह, दिलीप कुमार, मो. रुस्तम, सलमान खान, सोनू शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

परिवहन समिति सभापति राजकुमार मिश्रा के कार्यालय उद्घाटन समारोह में पहुंची जानी-मानी हस्तियां

भायंदर। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा के कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि एडवोकेट राजकुमार मिश्रा सुशिक्षित और जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय व्यक्ति हैं। परिवहन समिति के सभापति के रूप में जनता से जुड़ी समस्याओं के निराकरण की दिशा में सराहनीय काम करेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने कहा कि राजकुमार मिश्रा ऊजार्वान तथा अच्छी सोच रखने वाले व्यक्ति हैं, जो राजनीति के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी पूरी तरह से सक्रिय रहते हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित भवन निमोता उमराव सिंह ओस्तवाल, जेडी शिक्षा ग्राम प्रतापगढ़ के चेयरमैन दिनेश त्रिपाठी, आदित्य कॉलेज के संचालक हरिश्चंद्र मिश्रा ने एड राजकुमार मिश्रा को बधाई और शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वाले लोगों में महापौर डिंपल विनोद मेहता, आयुक्त राधाविनोद शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन, उप महापौर ध्रुव किशोर पाटिल, गटनेता तथा स्थाई समिति सभापति हसमुख गहलोत, सभागृह नेता एडवोकेट रवि व्यास उपस्थित रहे। कार्यालय उद्घाटन समारोह में परिवहन समिति सदस्य अंसारी राशीद अनवर, आदेश छोटेलाल अग्रवाल, काजल सक्सेना, भारत बोहरा, कुलदीप सिंह, प्रकाश जैन, आशीष लोढ़ा, प्रशांत केहकर, सुरेशचंद्र दुबे,ऑस्टिन जॉन मेनेजेस तथा सद्दाम कुरैशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

स्व. सर्वेश सिंह की तेरहवीं में गणमान्य लोगों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मुंबई। मुंबई के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी स्वर्गीय सर्वेश सिंह के निधन के उपरांत गुरुवार को मीरा रोड स्थित श्री राधा कृष्ण बैंक्वेट हॉल में तेरहवीं एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में परिजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत पुण्यात्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय सर्वेश सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। साथ ही उनके सुपुत्र तुषार सिंह एवं शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। गौरतलब है कि असल्फा निवासी समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी देवेंद्र प्रताप सिंह की सुपुत्री का विवाह स्वर्गीय सर्वेश सिंह के सुपुत्र तुषार सिंह के साथ हुआ है। इस नाते स्वर्गीय सर्वेश सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह के समधी थे।

श्रद्धांजलि सभा में शोकाकुल परिवार के तुषार सिंह, रामपति सिंह, शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह, समाजसेवी एवं व्यवसायी देवेंद्र प्रताप सिंह, जयराज सिंह, प्रेमराज सिंह, रामकुमार सिंह, प्रमोद सिंह, अजय सिंह, विनय सिंह, संजय सिंह, प्रदीप सिंह, राहुल सिंह, अमित सिंह, रोहित सिंह, अभिषेक सिंह, अविनाश सिंह, अखिलेश सिंह, अंकित सिंह, हिमांशु सिंह, हितेश सिंह, कार्तिकेय सिंह, अपूर्व सिंह, विशेष सिंह सहित लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया, भाजपा नेता रामबिलास पाठक, जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीश पांडेय,पत्रकार पवन पाठक,देवी प्रसाद सिंह बुलेट, पत्रकार विनोद सिंह, व्यवसायी मनोज सिंह, पत्रकार आदेश मिश्र, जयप्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस दौरान सभी ने स्वर्गीय सर्वेश सिंह के निधन को परिवार, समाज एवं उनके परिचितों के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

नगर पंचायत के सामने खुली नालियां बनीं खतरे की घंटी

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी नगर पंचायत के वार्ड नंबर-10 में नगर पंचायत के ठीक सामने बनी खुली नालियां इन दिनों लोगों के लिए परेशानी के साथ-साथ हादसे का कारण बन सकती हैं। तस्वीरें खुद इसकी हकीकत बयां कर रही हैं। सड़क और नाली के बीच कोई पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं दिखाई देती, जबकि नाली में पानी भी बह रहा है।

नाली के ऊपर कहीं-कहीं आवागमन के लिए पत्थर रखे गए हैं, लेकिन पूरी नाली खुली होने के कारण एक छोटी सी चूक किसी राहगीर के लिए भारी पड़ सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है। विडंबना यह है कि नगर पंचायत कार्यालय के ठीक सामने ही ऐसी स्थिति दिखाई दे रही है। जब जिम्मेदारों की नजर के सामने ही खुली नाली सुरक्षित नहीं कराई जा रही है, तो नगर पंचायत के दूसरे हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।नाली बनाना पर्याप्त नहीं, उसे सुरक्षित करना भी जरूरीजलनिकासी के लिए नाली का निर्माण जरूरी है, लेकिन नाली बनाकर उसे खुला छोड़ देना लोगों की सुरक्षा के लिहाज से सवाल खड़ा करता है। क्या किसी हादसे के बाद नाली पर ढक्कन लगाने की कवायद शुरू होगी? या फिर जिम्मेदार अधिकारी हादसा होने से पहले ही इस खतरे को गंभीरता से लेंगे? स्थानीय स्तर पर जरूरत इस बात की है कि संबंधित अधिकारी वार्ड नंबर-10 में मौके का निरीक्षण कराकर खुली नाली को उचित ढक्कन से ढकवाएं और जहां जरूरी हो वहां सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें । नगर पंचायत के सामने मौजूद इस खुले खतरे को जिम्मेदार कब देखेंगे। हादसे का इंतजार क्यों

श्रावणी पूर्णिमा पर मनाया जाएगा संस्कृत दिवस, भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण का लिया जाएगा संकल्प

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय संस्कृति, ज्ञान और साहित्य की समृद्ध परंपरा की प्रमुख भाषा संस्कृत के महत्व को रेखांकित करने के लिए श्रावण मास की पूर्णिमा के अवसर पर संस्कृत दिवस मनाया जाएगा। संस्कृत को उसकी प्राचीनता, शुद्धता और वैदिक परंपरा में विशेष स्थान के कारण देववाणी कहा जाता है। संस्कृत दिवस का उद्देश्य नई पीढ़ी को संस्कृत भाषा के साथ-साथ भारतीय ज्ञान, संस्कृति और संस्कारों की गौरवशाली परंपरा से जोड़ना है। इस अवसर पर संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार का संकल्प लेने का आह्वान किया जाता है। इंडिया प्रेस के जगदीश पुरोहित ने कहा, संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी ज्ञान, संस्कृति और संस्कार परंपरा की आधारशिला है। आज आवश्यकता है कि हम संस्कृत को केवल प्राचीन भाषा के रूप में न देखें, बल्कि इसके ज्ञान-विज्ञान और साहित्यिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए आधुनिक माध्यमों का भी उपयोग करें। संस्कृत का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के समान है।श्रावणी पूर्णिमा का संस्कृत परंपरा में विशेष महत्व है। प्राचीन भारत में इसी दिन गुरुकुलों में वेदों और शास्त्रों के अध्ययन का नया सत्र आरंभ किए जाने की परंपरा थी। यह दिन ऋषियों के स्मरण और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी माना जाता है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर वर्ष 1969 से श्रावण पूर्णिमा के दिन संस्कृत दिवस मनाने की शुरूआत हुई थी। तब से प्रत्येक वर्ष यह दिवस संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और उसके सांस्कृतिक महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। संस्कृत दिवस भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक संकल्प का अवसर प्रदान करता है।

राजकीय शिक्षकों के ऑफलाइन स्थानांतरण की मांग को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लंबित ऑफलाइन स्थानांतरण की मांग को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री को शिक्षकों की पारिवारिक, चिकित्सीय एवं विषम भौगोलिक परिस्थितियों से अवगत कराया। शिक्षकों ने पारदर्शी और न्यायसंगत ऑफलाइन स्थानांतरण नीति लागू किए जाने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, रक्षा मंत्री ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और सकारात्मक रुख अपनाते हुए पूरे प्रकरण को उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी को यथोचित कार्यवाही के लिए संदर्भित कर दिया।

प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कुमार गौतम, प्रांतीय महामंत्री डॉ. अशोक कुमार अवाक, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सत्यम् शिवम् सुंदरम्, लखनऊ जिलाध्यक्ष अखिलेश अवस्थी, वंदना शुक्ला (कुशीनगर), दिनेश (मिजार्पुर), अरुण सिंह (भदोही) सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संघ के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि रक्षा मंत्री के हस्तक्षेप के बाद शासन और माध्यमिक शिक्षा विभाग स्तर पर ऑफलाइन स्थानांतरण को लेकर जल्द ही सकारात्मक एवं शिक्षक हितैषी निर्णय लिया जाएगा।

मानव कल्याण शक्ति ज्योति फाउंडेशन ने श्रावणी उपाकर्म महोत्सव से जीवंत की वैदिक परंपराएं

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। सनातन संस्कृति एवं वैदिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के संकल्प के साथ मानव कल्याण शक्ति ज्योति फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्रावणी उपाकर्म महोत्सव श्रद्धा, आस्था एवं वैदिक संस्कारों के बीच भव्य रूप से संपन्न हुआ। गजानंद हाईस्कूल, प्रगति नगर, नालासोपारा पूर्व में आयोजित इस महोत्सव में सौ से अधिक लोगों ने जनेऊ पूजन एवं श्रावणी उपाकर्म की धार्मिक विधियों में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया।

संस्थापक आचार्य धर्मराज पांडेय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य शिवदत्त पांडेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के सम्माननीय एवं प्रतिष्ठित लोगों की प्रमुख उपस्थिति रही। गणमान्यजनों की सहभागिता से महोत्सव की भव्यता और आध्यात्मिक वातावरण अपने आप में दिव्य हो उठा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आचार्य त्रिभुवन पांडेय, आचार्य कौशल तिवारी, आचार्य अरविंद मिश्रा, आचार्य अनिल मिश्रा, पं. आशुतोष द्विवेदी, भूपेश पांडेय, शिवकुमार तिवारी, त्रिशक्ति संगम अभियान के महाराष्ट्र प्रमुख माता प्रसाद चतुर्वेदी, करूणेश उपाध्याय तथा वरिष्ठ पत्रकार उमेश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य सनातन धर्म की प्राचीन वैदिक परंपराओं एवं संस्कारों को पुनर्जीवित करते हुए उन्हें समाज और नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा। श्रावणी उपाकर्म से जुड़ी धार्मिक विधियों का विधिवत निर्वहन श्रद्धा एवं आस्था के साथ किया गया। आयोजन के लिए

आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ कृत्रिम तालाब एवं जल की विशेष व्यवस्था भी की गई, जिससे उपाकर्म की परंपराओं का विधिवत निर्वहन संभव हो सका। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, सहयोगियों एवं उपस्थित गणमान्यजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपराएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और जीवन मूल्यों की आधारशिला हैं। इन्हें जीवंत बनाए रखना और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

आयोजन टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका

महोत्सव को सफल बनाने में आयोजन टीम के सभी सदस्यगण अभय शुक्ल, राम सुरेश दूबे, शशिकांत मिश्रा, जितेन्द्र दूबे, बागेश पांडेय, रोहित गुप्ता, विनीत सिंह, पवन दूबे, आशिष दूबे, विश्व देव मिश्रा, पं. पवन तिवारी, राजकुमार मिश्रा, पंकज पांडेय, हर्ष पांडेय, अनन्य शुक्ल, अंश पांडेय, अनंत शुक्ल एवं किशन उपाध्याय सहित अन्य कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सुधीर भवनाथ सिंह का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने अपने विद्यालय परिसर को आयोजन के लिए उपलब्ध कराने के साथ ही कृत्रिम तालाब एवं जल की व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आयोजन समिति की ओर से उनके प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। श्रावणी उपाकर्म महोत्सव के सफल आयोजन ने न केवल वैदिक परंपराओं को जीवंत किया, बल्कि समाज में सनातन संस्कारों और धार्मिक चेतना को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया। मंच संचालन के माध्यम से आभार ज्ञापित करते हुए पत्रकार प्रेम चौबे द्वारा आयोजन की सफलता में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सनातन संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

काव्य संध्या में बिखरे प्रेम, राष्ट्रभक्ति और संवेदना के रंग, कवियों ने बांधा समां

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सोन संगीत फाउंडेशन के तत्वावधान में शनिवार शाम शहर में पावस उमा-माहेश्वर काव्य संध्या का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कवियों ने प्रेम, श्रृंगार, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अजय चतुवेर्दी कक्का ने की। मुख्य अतिथि समाजसेवी सरदार कमलेश सिंह खांबे तथा विशिष्ट अतिथि कवि दिवाकर द्विवेदी मेघ रहे। वाणी वंदना के बाद काव्य पाठ का सिलसिला शुरू हुआ।

प्रद्युम्न त्रिपाठी ने मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना, सबके अधरों पे गीत लिख देना सुनाकर श्रृंगार रस की शानदार प्रस्तुति दी। सुशील मिश्रा ने भोले बाबा को समर्पित पूर्वी प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सुधाकर पांडेय स्वदेशप्रेम ने

जनाजा जब मेरा निकले, वतन के वास्ते निकलेह्व सुनाकर राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई।

कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने नफरत और आपसी तकरार के खिलाफ संदेश देते हुए मानव जीवन में एकता के महत्व को अपनी रचना के माध्यम से सामने रखा। दिव्या राय ने मां की पीड़ा और संवेदनाओं को स्वर देते हुए श्रोताओं को भावुक कर दिया। दयानंद दयालू ने पावस को समर्पित कजरी सुनाई, जबकि धर्मेश चौहान ने हिंदुस्तान की खूबसूरती का बखान किया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे अशोक तिवारी ने अपनी व्यंग्यात्मक रचना के माध्यम से व्यवस्था पर तंज कसा। अध्यक्ष अजय चतुवेर्दी कक्का ने जाति, धर्म और मजहब के नाम पर देश को बांटने के खिलाफ अपनी रचना प्रस्तुत कर राष्ट्र एकता का संदेश दिया।

विशिष्ट अतिथि दिवाकर द्विवेदी मेघ ने हास्य-व्यंग्य की रचना सुनाकर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। मुख्य अतिथि कमलेश खांबे ने देश, समाज और परिवार की संवेदनाओं को बचाए रखने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। विवेक चतुवेर्दी ने शायरी से महफिल को रोशन किया।

अंत में सोन संगीत फाउंडेशन के अध्यक्ष सुशील मिश्रा ने सभी अतिथियों, कवियों, कवयित्रियों और श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी, त्रिपुरारी मिश्रा, लालता प्रसाद मिश्र, ठाकुर कुशवाहा, फारुख अली सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

स्वच्छता में 8वीं बार नंबर-1 बना इंदौर

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। देश में 50 मॉडल शहर विकसित करने की तैयारी है, जिन्हें गार्बेज फ्री सिटी के आदर्श उदाहरण के रूप में तैयार किया जाएगा। संभावित सूची में इंदौर का शामिल होना तय माना जा रहा है। लगातार आठवीं बार स्वच्छता में नंबर-1 रहे इंदौर को कचरा मुक्त शहर के साथ पर्यटन, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्वच्छ ऊर्जा की खूबियों वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की तैयारी है। गुरुवार को दिल्ली में हुई बैठक में निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने इंदौर के स्वच्छता मॉडल और नवाचारों की जानकारी दी। मंत्रालय को स्वच्छता, सौर ऊर्जा और ऊर्जा साक्षरता से जुड़ी जानकारियां भी दी गई हैं। तय पैमानों के आधार पर केंद्र की टीम जल्द इंदौर आकर अध्ययन कर सकती है प्रस्तावित मॉडल सिटी में स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को शामिल किया जा रहा है। इनमें सूरत, अहमदाबाद, नवी मुंबई, जयपुर, विशाखापट्टनम, तिरुवनंतपुरम और भुवनेश्वर जैसे शहरों के नाम भी सामने आए हैं।

संगीत से संस्कार और संस्कृति से देशभक्ति मिलती है : स्नेहा दुबे पंडित

वसई। विश्वकर्मा हॉल, वीर सावरकर नगर, वसई पश्चिम में भारत विकास परिषद, वसई शाखा द्वारा मुंबई-कोंकण प्रांत, महाराष्ट्र के तत्वावधान में नेशनल हिंदी-संस्कृत ग्रुप सिंगिंग एवं लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संस्कृति, देशभक्ति और संगीत परंपरा का सुंदर संगम देखने को मिला। प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों एवं कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रतिभागियों में

खासा उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि ह्लसंगीत से संस्कार और संस्कृति से देशभक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हिंदी एवं संस्कृत गीतों तथा लोकगीतों के माध्यम से बच्चों और युवाओं में संस्कार, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना मजबूत होती है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों और कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजकों को इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नचिकेता लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई के डायरेक्टर प्रदीप भार्गव, जगदीश शास्त्री, विवेक याग्निक, सेवानिवृत्त बैंकर वी. हरिहरन, कॉर्पोरेटर श्रीमती अपर्णा पाटिल, फाल्गुन राजपूत, भारत विकास परिषद की प्रेसिडेंट श्रीमती स्वाति आचार्य, सेक्रेटरी श्रीमती प्रज्ञा भार्गव, ट्रेजरर श्रीमती प्रिया शुक्ला, कोऑर्डिनेटर श्रीमती प्रभा मंगला सहित मयंक शेठ, छोटू आनंद, उनके भाई-बहन तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी है।